Est

Chapter 5

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

וַיְהִי	בַּיּוֹם	הַשְּׁלִישִׁי	וַתִּלְבָּשׁ	אֶסְתֵּר	מַלְכוּת	וַתַּעֲמֹד	בַּחֲצַר	בֵּית־	הַמֶּלֶךְ	הַפְּנִימִית	1
और-हुआ	दिन-में	तीसरे	तो-पहनी	एस्तेर-ने	राजकीय	और-खड़ी-हुई	आँगन-में	महल	राजा-के	भीतरी	
H1961	H3117	H7992	H3847	H0635	H4438	H5975			H4428	H6442	

נֹכַח	בֵּית	הַמֶּלֶךְ	וְהַמֶּלֶךְ	יוֹשֵׁב	עַל־	כִּסֵּא	מַלְכוּתוֹ	בְּבֵית	הַמַּלְכוּת	נֹכַח
सामने	भवन	राजा-के	और-जब-राजा	बैठा-था	पर	सिंहासन	अपने-राजकीय	भवन-में	राजकीय	सामने
H5227		H4428		H3427		H3678	H4438		H4438	H5227

הַבָּיִת׃	פֶּתַח
भवन-के	प्रवेश-द्वार

तीसरे दिन एस्तेर ने अपने विशेष वस्त्र पहने और राज महल के भीतरी भाग में जा खड़ी हुई। यह स्थान राजा की बैठक के सामने था। राजा दरबार में अपने सिंहासन पर बैठा था। राजा उसी ओर मुँह किये बैठा था जहाँ से लोग सिंहासन के कक्ष की ओर प्रवेश करते थे।

בְּעֵינָיו	חֵן	נָשְׂאָה	בֶּחָצֵר	עֹמֶדֶת	הַמַּלְכָּה	אֶסְתֵּר	אֶת־	הַמֶּלֶךְ	כִּרְאוֹת	וַיְהִי	2
उसकी-दृष्टि-में	कृपा	उसने-पाया	आँगन-में	खड़ी-हुई	रानी	एस्तेर	को	राजा-ने	जब-देखा	तो-हुआ	
	H2580	H5375		H5975	H4436	H0635	H0853	H4428	H7200	H1961	

אֶסְתֵּר	וַתִּקְרַב	בְּיָדוֹ	אֲשֶׁר	הַזָּהָב	שַׁרְבִּיט	אֶת־	לְאֶסְתֵּר	הַמֶּלֶךְ	וַיּוֹשֶׁט
एस्तेर	और-निकट-आई	उसके-हाथ-में-था	जो	सोने-का	राजदण्ड	को	एस्तेर-को	राजा-ने	और-बढ़ाया
H0635	H7126	H3027		H2091	H8275	H0853	H0635	H4428	H3447

וַתִּגַּע	בְּרֹאשׁ	הַשַּׁרְבִיט׃	ס
और-छूआ	शीर्ष-को	राजदण्ड-के	—
H5060		H8275	

राजा ने महारानी एस्तेर को वहाँ दरबार में खड़े देखा। उसे देखकर वह बहुत प्रसन्न हुआ। उसने उसकी ओर अपने हाथ में थामें हुए सोने के राजदण्ड को आगे बढ़ा दिया। इस प्रकार एस्तेर ने उस कमरे में प्रवेश किया और वह राजा के पास चली गयी और उसने राजा के सोने के राजदण्ड के सिर को छू दिया।

חֲצִי	עַד־	בַּקָּשָׁתֶךְ	וּמַה־	הַמַּלְכָּה	אֶסְתֵּר	לָךְ	מַה־	הַמֶּלֶךְ	לָהּ	וַיֹּאמֶר	3
आधे	तक	तेरी-बिनती	और-क्या-है	रानी	एस्तेर	तू-चाहती-है	क्या	राजा-ने	उससे	और-कहा	
H2677	H5704	H1246	H4100	H4436	H0635		H4100	H4428		H0559	

וְיִנָּתֶן	לָךְ׃	הַמַּלְכוּת
और-दिया-जाएगा	तुझे	राज्य-के
H5414		H4438

इसके बाद राजा ने उससे पूछ, “महारानी एस्तेर, तुम बेचैन क्यों हो? तुम मुझसे क्या चाहती हो? तुम जो चाहो मैं तुम्हें वही दूँगा। यहाँ तक कि अपना आधा राज्य तक, मैं तुम्हें दे दूँगा।”

אֶל־	הַיּוֹם	וְהָמָן	הַמֶּלֶךְ	יָבוֹא	טוֹב	הַמֶּלֶךְ	עַל־	אִם־	אֶסְתֵּר	וַתַּאמֶר	4
को	आज	और-हामान	राजा	आए	अच्छा-लगे	राजा	को	यदि	एस्तेर-ने	तो-उत्तर-दिया	
H0413	H3117	H2001	H4428	H0935	H2895	H4428			H0635	H0559	

לוֹ׃	עָשִׂיתִי	אֲשֶׁר־	הַמִּשְׁתֶּה	
उसके-लिए	मैंने-तैयार-की-है	जो	भोज-में	
			H4960	

एस्तेर ने कहा, “मैंने आपके और हामान के लिये एक भोज का आयोजन किया है। क्या आप और हामान आज मेरे यहाँ भोज में पधारेंगे?”

5

הַמֶּלֶךְ׀	וַיָּבֹא	אֶסְתֵּר	דִּבֶּר	אֶת־	לַעֲשׂוֹת	הָמָן	אֶת־	מַהֲרוּ׀	הַמֶּלֶךְ	וַיֹּאמֶר
राजा	तो-आया	एस्तेर-ने	कहा-है	जैसा	ताकि-वह-करे	हामान	को	जल्दी-लाओ	राजा-ने	और-कहा
H4428	H0935	H0635	H1697	H0853		H2001	H0853		H4428	H0559

אֶסְתֵּר׃	עָשְׂתָה	אֲשֶׁר־	הַמִּשְׁתֶּה	אֶל־	וְהָמָן
एस्तेर-ने	तैयार-की-थी	जो	भोज-में	को	और-हामान
H0635			H4960	H0413	H2001

इस पर राजा ने कहा, “हामान को तुरंत बुलाया जाये ताकि एस्तेर जो चाहती है, हम उसे पूरा कर सकें।” महाराजा और हामान एस्तेर ने उनके लिये जो भोज आयोजित की थी, उसमें आ गये।

6

וּמַה־	לָּךְ	וְיִנָּתֶן	שְׁאֵלָתֵךְ	מַה־	הַיַּיִן	בְּמִשְׁתֵּה	לְאֶסְתֵּר׀	הַמֶּלֶךְ	וַיֹּאמֶר
और-क्या-है	तुझे	और-दी-जाएगी	तेरी-याचना	क्या-है	—	—	—	—	—
H4100		H5414	H7596	H4100	H3196	H4960	H0635	H4428	H0559

וְתֵעָשׂ׃	הַמַּלְכוּת	חֲצִי	עַד־	בַּקָּשָׁתֵךְ
और-की-जाएगी	राज्य-के	आधे	तक	तेरी-बिनती
	H4438	H2677	H5704	H1246

जब वे दाखमधु पी रहे थे तभी महाराजा ने एस्तेर से फिर पूछा, “एस्तेर, कहो अब तुम क्या माँगना चाहती हो? कुछ भी माँग लो, मैं तुम्हें वही दे दूँगा। कहो तो वह क्या है जिसकी तुम्हें इच्छा है? तुम्हारी जो भी इच्छा होगी, वहीं मैं तुम्हें दूँगा। अपने राज्य का आधा भाग तक।”

7

וּבַקָּשָׁתִי׃	שְׁאֵלָתִי	וַתֹּאמֶר	אֶסְתֵּר	וַתַּעַן
और-बिनती-यह-है	मेरी-याचना	और-कहा	एस्तेर-ने	और-उत्तर-दिया
H1246	H7596	H0559	H0635	

एस्तेर ने कहा, “मैं यह माँगना चाहती हूँ।

8

אֶת־	לָתֵת׀	טוֹב	הַמֶּלֶךְ׀	עַל־	וְאִם־	הַמֶּלֶךְ	בְּעֵינַי	חֵן	מָצָאתִי	אִם־
को	देने-को	अच्छा-लगे	राजा	को	और-यदि	राजा-की	दृष्टि-में	कृपा	मैंने-पाया-है	यदि
H0853	H5414	H2895	H4428			H4428		H2580	H4672	

אֲשֶׁר	הַמִּשְׁתֶּה׀	אֶל־	וְהָמָן	הַמֶּלֶךְ	יָבוֹא	בַּקָּשָׁתִי	אֶת־	וְלַעֲשׂוֹת	שְׁאֵלָתִי
जो	भोज-में	को	और-हामान	राजा	तो-आए	मेरी-बिनती	को	और-पूरी-करने-को	मेरी-याचना
	H4960	H0413	H2001	H4428	H0935	H1246	H0853		H7596

הַמֶּלֶךְ׃	כִּדְבַר	אֶעֱשֶׂה	וּמָחָר	לָהֶם	אֶעֱשֶׂה
राजा-ने	जैसा-कहा-है	मैं-करूँगी	और-कल	उनके-लिए	मैं-तैयार-करूँगी
H4428	H1697		H4279		

यदि मुझे महाराज अनुमति दें और यदि जो मैं चाहूँ, वह मुझे देने से महाराज प्रसन्न हों तो मेरी इच्छा यह है कि महाराज और हामान कल मेरे यहाँ आयें। कल मैं महाराजा और हामान के लिये एक और भोज देना चाहती हूँ और उसी समय में यह बताऊँगी कि वास्तव में मैं क्या चाहती हूँ।”

9

מָרְדֳּכַי	אֶת־	הָמָן	וְכִרְאוֹת֙	לֵב	וְטוֹב	שָׂמֵחַ	הַהוּא	בַּיּוֹם	הָמָן	וַיֵּצֵא
मर्दकै	को	हामान-ने	परन्तु-जब-देखा	मन	और-प्रसन्न	आनन्दित	उस	दिन-को	हामान	तो-निकला
H4782	H0853	H2001	H7200			H8056	H1931	H3117	H2001	H3318

מָרְדֳּכַי	עַל־	הָמָן	וַיִּמָּלֵא	מִמֻּנּוּ	זָעַ	וְלֹא־	קָם	וְלֹא־	הַמֶּלֶךְ	בְּשַׁעַר
मर्दकै	के-विरुद्ध	हामान	तो-भर-गया	उसके-सामने	काँपा	या	उठा-वह	कि-नहीं	राजा-के	फाटक-में
H4782		H2001	H4390		H2111	H3808		H3808	H4428	H8179

חֵמָה׃
क्रोध-से
H2534

उस दिन हामान राजमहल से अत्यधिक प्रसन्नचित्त हो कर विदा हुआ। किन्तु जब उसने राजा के द्वार पर मोर्दकै को देखा तो उसे मोर्दकै पर बहुत क्रोध आया। हामान मोर्दकै को देखते ही क्रोध से पागल हो उठा क्योंकि जब हामान वहाँ से गुजरा तो मोर्दकै ने उसके प्रति कोई आदर भाव नहीं दिखाया। मोर्दकै ने उसके प्रति कोई आदर भाव नहीं दिखाया। मोर्दकै को हामान का कोई भय नहीं था, और इसी से हामान क्रोधित हो उठा था।

10 וַיִּתְאַפַּק तौभी-रोका-अपने-आप-को H0662 | הָמָן हामान-ने H2001 | וַיָּבוֹא और-गया H0935 | אֶל־ को H0413 | בֵּיתוֹ घर | וַיִּשְׁלַח और-भेजा H7971 | וַיָּבֵא और-बुलाया H0935 | אֶת־ को H0853 | אֹהֲבָיו अपने-मित्रों H0157 | וְאֶת־ और H0853
זֶרֶשׁ ज़ेरेश H2238 | אִשְׁתּוֹ׃ अपनी-पत्नी H0802

किन्तु हामान ने अपने क्रोध पर काबू किया और घर चला गया। इसके बाद हामान ने अपने मित्रों और अपनी पत्नी जेरेश को एक साथ बुला भेजा।

11 וַיְסַפֵּר और-बताया | לָהֶם उन्हें H1992 | הָמָן हामान-ने H2001 | אֶת־ को H0853 | כְּבוֹד महान H3519 | עָשְׁרוֹ अपने-धन H6239 | וְרֹב और-बहुताई H7230 | בָּנָיו अपने-पुत्रों-की | וְאֵת और H0853 | כָּל־ सब H3605 | אֲשֶׁר जिसमें
גִּדְּלוֹ बढ़ाया-था-उसे H1431 | הַמֶּלֶךְ राजा-ने H4428 | וְאֵת और H0853 | אֲשֶׁר कैसे | נִשְּׂאוֹ उचा-किया-था-उसे H5375 | עַל־ ऊपर | הַשָּׂרִים अधिकारियों H8269 | וְעַבְדֵי और-सेवकों-से H5650 | הַמֶּלֶךְ׃ राजा-के H4428

वह अपने मित्रों के आगे अपने धन और अनेक पुत्रों के बारे में डींग मारते हुए यह बताने लगा कि राजा उसका किस प्रकार से सम्मान करता है। वह बढ़ा चढ़ा कर यह भी बताने लगा कि दूसरे सभी हाकीमों से राजा ने किस प्रकार उसे और अधिक ऊँचे पद पर पदोन्नति दी है।

12 וַיֹּאמֶר — H0559 | הָמָן — H2001 | אַף बल्कि H0637 | לֹא־ किसी-को-नहीं H3808 | הֵבִיאָה बुलाया H0935 | אֶסְתֵּר एस्तेर H0635 | הַמַּלְכָּה रानी-ने H4436 | עִם־ साथ-आने-को | הַמֶּלֶךְ राजा-के H4428 | אֶל־ को H0413 | הַמִּשְׁתֶּה भोज-में H4960
אֲשֶׁר־ जो | עָשָׂתָה उसने-तैयार-की | כִּי क्योंकि | אִם־ सिवाय | אוֹתִי मुझे H0853 | וְגַם־ और-फिर-से H1571 | לְמָחָר कल H4279 | אֲנִי मैं H0589 | קָרוּא־ बुलाया-गया-हूँ H7121 | לָהּ उसके-द्वारा | עִם־ साथ
הַמֶּלֶךְ׃ राजा-के H4428

“इतना ही नहीं” हामान ने यह भी बताया। “एक मात्र मैं ही ऐसा व्यक्ति हूँ जिसे महारानी एस्तेर ने अपने भोज में राजा के साथ बुलाया था और महारानी ने मुझे कल फिर राजा के साथ बुला भेजा था।

13 וְכָל־ तौभी-यह-सब H3605 | זֶה यह H2088 | אֵינֶנּוּ कुछ-नहीं H0369 | שֹׁוֶה काम-आता | לִי मुझे | בְּכָל־ हर H3605 | עֵת जब-तक H6256 | אֲשֶׁר जैसे | אֲנִי मैं H0589 | רֹאֶה देखता-हूँ H7200 | אֶת־ को H0853
מָרְדֳּכַי मर्दकै H4782 | הַיְּהוּדִי यहूदी H3064 | יוֹשֵׁב बैठा-हुआ H3427 | בְּשַׁעַר फाटक-पर H8179 | הַמֶּלֶךְ׃ राजा-के H4428

किन्तु मुझे इन सब बातों से सचमुच कोई प्रसन्नता नहीं है। वास्तव में मैं उस समय तक प्रसन्न नहीं हो सकता जब तक राजा के द्वार पर मैं उस यहूदी मोर्दकै को बैठे हुए देखता हूँ।”

14 וַתֹּאמֶר और-कहा H0559 | לוֹ उससे | זֶרֶשׁ ज़ेरेश H2238 | אִשְׁתּוֹ उसकी-पत्नी-ने H0802 | וְכָל־ और-सब H3605 | אֹהֲבָיו उसके-मित्रों-ने H0157 | יַעֲשׂוּ־ बनाया-जाए | עֵץ फाँसी H6086 | גָּבֹהַּ ऊँची H1364 | חֲמִשִּׁים पचास H2572 | אַמָּה हाथ
וּבַבֹּקֶר और-सुबह-को H1242 | אֱמֹר कहो H0559 | לַמֶּלֶךְ राजा-से H4428 | וְיִתְלוּ और-लटकाया-जाए H8518 | אֶת־ को H0853 | מָרְדֳּכַי मर्दकै H4782 | עָלָיו उस-पर | וּבֹא־ तब-जा H0935 | עִם־ साथ | הַמֶּלֶךְ राजा-के H4428 | אֶל־ को H0413
הַמִּשְׁתֶּה भोज-में H4960 | שָׂמֵחַ आनन्दित H8056 | וַיִּיטַב और-अच्छी-लगी H3190 | הַדָּבָר बात H1697 | לִפְנֵי को H6440 | הָמָן हामान H2001 | וַיַּעַשׂ तो-बनवाई | הָעֵץ׃ फाँसी H6086 | פ —

इस पर हामान की पत्नी जेरेश और उसके मित्रों ने उसे एक सुझाव दिया। वे बोले, “किसी से कह कर पचहत्तर फूट ऊँचा फाँसी देने का एक खम्भा बनवाओं! जिस पर उसे लटकाया जाये! फिर प्रातःकाल राजा से कहो कि वह मोर्दकै को उस पर लटका दे। फिर राजा के साथ तुम भोज पर जाना और आनन्द से रहना।” हामान को यह सुझाव अच्छा लगा। सो उसने फाँसी का खम्भा बनवाने के लिए किसी को आदेश दे दिया।